प्रेस रिलीज

तमाम दबावों के बावजूद मीडिया सकारात्मक चिंतन देने में समर्थ - नाग

(माउण्ट आबू में मीडिया महासम्मेलन का उद्घाटन)

माउण्ट आबू, 7 जून, निसं। प्रेस परिषद के सदस्य एवं इंडिया न्यूज टीवी के संपादक राजीव रंजन नाग ने ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रीाग व राजयोग एज्यूकेशन एवं रिसर्च फाउण्डेशन द्वारा आयोजित मीडिया महासम्मेलन में समाज में मूल्यों की पुर्नस्थापना में जन संचार माध्यमों की भूमिका विषय पर उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि तमाम दबावों के बावजूद भारतीय मीडिया सकारात्मक चिंतन देने की स्थिति में है। मूल्यों पर चिंतन न केवल भारत बल्कि विदेश में भी हो रहा है। इससे विषय की गंभीरता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है।

श्री नाग ने कहा कि चरित्र व आचरण हमें विरासत में मिले हैं। लेकिन दु:ख इस बात का है कि आजादी के बाद तीसरी पीढ़ी को इससे कोई सरोकार नहीं है। देश में 820 टीवी चैनल और 85,000 अखबार बाजार में है लेकिन शिक्षित लोगों की संख्या केवल पच्चीस प्रतिशत तक सिकुड़ कर रह गयी है। जब मीडिया में माल बेचने की प्रतिस्पर्धा चल रही हो तो मूल्यों का ध्यान रखने की जिम्मेवारी भला कौन निभाएगा!

इससे पूर्व जी ग्रुप ग्लोबल फाउण्डेशन के निदेशक के.जी.सुरेश ने कहा कि सिनेमा और टीवी सीरियल हमारे संस्कारों का प्रतिरोध करने वाली समाग्री परोस रहे हैं। जिसका समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। पश्चात्य सभ्यता का प्रसार करने वाली सामग्री पर अंकुश लगाकर मीडिया देश व समाज को सही रास्ता दिखा सकता है।

मीडिया सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी के नेतृत्व में दीप प्रज्जवलित कर किया गया। दादी जी ने मीडिया का आह्वान किया कि भारत में रामराज्य पुन: लाने में मुख्य भूमिका निभाएं।

महासम्मेलन से पूर्व देश-विदेश से आए सैकड़ों मीडियाकर्मियों के स्वागत के लिए विशेष सभा का आयोजन किया गया। इसमें बेलगांव से आयी शिल्पा अश्विनी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। ज्ञानसरोवर अकादमी के कोऑडिनेटर बीके मोहन सिंघल ने संस्था का परिचय दिया। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके ओम प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में संवेत शिखर रायपुर के संपादक मधुकर दिवेद्वी ने कहा कि जो शांति तमाम अच्छाइयों का आधार है उसे प्रसारित व प्रचारित करने में ब्रह्माकुमारी संस्था समुचे विश्व में ध्वज वाहक बनकर उभर आयी है।

उद्घाटन सत्र में सूचना व जनसंचार निदेशक बीके करूणा ने कहा कि देश का उत्थान चरित्र के उत्थान के बिना संभव नहीं। युवा वर्ग में अच्छे संस्कार विकसित करके ही भारत को विश्व को विश्व गुरु बनाना संभव होगा। मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके ओम प्रकाश ने कहा कि शिक्षा संस्थान अच्छे डॉक्टर और इंजीनियर तो बना रहे हैं लेकिन चरित्रवान नागरिक बनाने पर उचित ध्यान नहीं दिया जा रहा। वैज्ञानिक प्रगति ने मीडिया को पहले से अधिक शक्तिशाली तो बना दिया लेकिन अपराध का ग्राफ भी उतना ही तेजी से बढ़ा है। ज्ञान सरोवर की निदेशिका डॉ.निर्मला ने कहा कि श्रेष्ठ भूमि कहे जाने वाले भारत में अब हर कोई विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे पतन से चिंतित है। मीडिया मूल्य अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय संयोजक कमल दीक्षित ने कहा कि बदलाव की चाहत हर कोई महसूस करता है। बदलाव की बयार कितनी तेजी से बह रही है इसका उदाहरण हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव से मिलता है। मीडिया सामाजिक बदलाव के अभियान को आगे बढ़ाने में उल्लेखनीए भूमिका निभा सकता है।

शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष बीके मृत्युंजय ने इस बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अन्ना हजारे द्वारा भ्रष्टाचार के विरूद्ध बजाए गए बिगुल व नई सरकार के गठन में मीडिया की अहम भूमिका रही है। देवी अहिल्या विश्व विद्यालय इंदौर के विभागाध्यक्ष डॉ.परमार ने कहा कि न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका से जब विश्वास उठ रहा है तो लोगों का मीडिया पर निगाहें टिकाना स्वाभाविक है। मीडिया को श्रीकृष्ण की भूमिका में आना होगा। जिन्होंने धर्म की पुर्नस्थापना की थी।

वेब दुनिया के संपादक जयदेव कार्निक ने कहा कि पिछले एक दशक से मीडिया की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। मीडिया को आईना देखकर महसूस करना चाहिए कि उम्मीदों का दीया सिर्फ उन्हीं में जल रहा है। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व उपकुलपति डॉ.पी.सी. पतांजलि ने कहा कि मीडिया का स्वरूप बदल गया है। समाचारपत्रों में अब समाचार ढूढ़ने पड़ते हैं। हमें यह सोचना होगा कि समाज बारूद के ढेर पर बैठा है और इसे विस्फोट से बचाने का दायित्व मीडिया ही निभा सकता है।

मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके शांतनु ने सभी के प्रति आभार प्रगट किया।